

१५८

पद्मचक्रवर्तिन

ASHA ARCHIVES

3477

॥ नमः ॥

रुं

॥ पुनः सिला ॥

॥ पुनः सिला को नलो राया

॥ सानमानवनाशानम्यता ॥

॥ समनाहियायाहिनमरागभन



॥ लाभावावनमानसा ॥ ७ ॥

क० वि० ल

॥ हनसकलकौमनामनि ॥ वाइकायु

॥ नमः ॥ ॥ सवसाति ॥ राग

नमः

॥ नमः गानसाय ॥ युधिष्ठिराठया कन्या नकुलनविवादिगासहदवस्यपू

जिगाकन्या ॥ साकन्यावनदारव ॥ ॥ पुनः सिका नवाजायनालीकाजिना

दन ॥ ॥ ककानकस्य ० ० नागस्य नागदम ० ० नानयव ॥ ॥

आकाशक



अथ मधुसूतासाक्षात्कीर्तीका

यूनिवनाडानि (श्वेव सुकेनमाकृदाउ
का



अमरिका



नाकिनि

विहृष्टिक



कानि
काकिनि

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 कावि जयं तिका
 युनिदासवति तथा
 नदतसक यदाय
 का ॥ धनसक युनि ॥



॥ स्वादिष्ठानवक्र

मधुना
॥ लाकीनी



॥ आरुतनवक्र

॥ याकिनी

श्री गुरुभ्यो

ASHA ARCHIVES

3477

॥ अ० ब० ब० ब० ब० ब० ब० ॥
 ॥ अ० ब० ब० ब० ब० ब० ब० ॥
 ॥ अ० ब० ब० ब० ब० ब० ब० ॥

॥ अ० ब० ब० ब० ब० ॥



॥ अ० ब० ब० ब० ब० ॥
 ॥ अ० ब० ब० ब० ब० ॥
 ॥ अ० ब० ब० ब० ब० ॥
 ॥ अ० ब० ब० ब० ब० ॥



፲፱፻፲፱ ዓ.ም. ጳጳስ ወልደ ገብረ ጳጳስ

፲፱፻፲፱ ዓ.ም. ጳጳስ ወልደ ገብረ ጳጳስ
፲፱፻፲፱ ዓ.ም. ጳጳስ ወልደ ገብረ ጳጳስ

፲፱፻፲፱ ዓ.ም. ጳጳስ ወልደ ገብረ ጳጳስ



፲፱፻፲፱ ዓ.ም. ጳጳስ ወልደ ገብረ ጳጳስ

፲፱፻፲፱ ዓ.ም.

፲፱፻፲፱ ዓ.ም.